

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेलवे मन्त्री (श्री जे० मु० त्रिपाठी) :

(क) जी नहीं ।

(ख) जी हाँ ।

(ग) श्रीर (घ). परिचालनिक कारणों से राया-मुरसान ग्लाक खण्ड पर एक पार स्टेशन खोलने के प्रस्ताव पर विचार हो रहा है । सीताई स्टेशन पर जो कि राया और मुरसान स्टेशनों के बीच स्थित है, फुटकर सामानों को बूक करने के प्रश्न को पार स्टेशन खोलने के सम्बन्ध में अन्तिम विनिश्चय होने तक स्थगित कर दिया गया है ।

विदेशी फिल्मों का आयात

2066. श्री हरज्योत वेबगुन : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विदेशी मुद्रा की गम्भीर स्थिति को ध्यान में रखते हुए सरकार का विचार विदेशी फिल्मों का आयात बन्द करने का है; और

(ख) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

वाणिज्य मन्त्री (श्री विनेश सिंह) :

(क) जी, नहीं ।

(ख) ऐसी कार्यवाही स विदेशों को भारतीय फिल्मों के निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा ।

सड़ानो औजार कारखाने

2067. श्री महाराज सिंह भारती : क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में इस समय ऐसे कितने सड़ानी औजार कारखाने हैं जिन्हें कच्चे

माल, अर्द्ध निमित्त तथा पुर्जों का आयात करने के लिए विदेशी मुद्रा की आवश्यकता है;

(ख) प्रति वर्ष कितनी विदेशी मुद्रा की आवश्यकता है; और

(ग) उपर्युक्त कारखानों में से कितने कारखाने निर्यात द्वारा विदेशी मुद्रा अर्जित करते हैं तथा ये कारखाने प्रति वर्ष कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित करते हैं ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मन्त्री (श्री कचहरील प्रसाद अहलुवाल) : (क) और (ख). 1966-67 में संगठित क्षेत्र में 117 एककों की 872.18 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा निर्यात की गई थी ।

(ग) पांच कारखानों ने अपने उत्पादों का निर्यात किया । 1965-66 तथा 1966-67 में किए गए निर्यात का मूल्य क्रमशः 35.60 लाख तथा 55.07 लाख रुपये था ।

नालीदार चादरें

2068. श्री महाराज सिंह भारती : क्या इन्चार्ज, खान तथा धानु मंत्रों यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में लेपन (कोटिंग) सम्बन्धी कच्ची सामग्री के पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध न होने के कारण मकानों के बनाने में प्रयोग में लाई जाने वाली नालीदार चादरों पर एक्समिनियम का लेप करने के सम्बन्ध में—क्या जिम त्रिपुठी को अपनाते का सरकार विचार कर रही थी—क्या निर्णय लिया गया है;

(ख) उपर्युक्त चादरें बित्री के लिये बाजार में कब तक आ जायेंगी; और

(ग) क्या इनके लिये अपेक्षित संयुक्त देश में बनाये जायेंगे प्रथम उन्हे बाहर से मंगाना पड़ेगा ?

इस्पात, जल तथा वायु मन्त्रालय में राउप-मन्त्री (बी प्र० चं० सेठी) : (क) यह फैसला किया गया है कि चादरों पर जस्ता चढ़ाने के बजाए ऐल्यूमिनियम चढ़ाने के काम को प्रोत्साहित किया जाय ।

(ख) इस्पात कारखानों से कहा गया है कि वे इस तरीके के बारे में तकनीकी जानकारी विदेशों से प्राप्त करें। अभी यह कहना कठिन है कि ऐल्यूमिनियम चढ़ी चादरें कम मिलने लगेंगी ।

(ग) तकनीकी जानकारी के लिए समझौते किये जाने के पश्चात् ही यह पता लग सकेगा कि ऐल्यूमिनियम चढ़ाने के उपकरण किन हद तक देश में प्राप्त हो सकेंगे ।

Heavy Machine Building Plant of H. E. C., Ranchi

2069. Shri Kartik Oraon: Will the Minister of Industrial Development and Company Affairs be pleased to state:

(a) the production target of the Heavy Machine Building Plant of Heavy Engineering Corporation Ltd., Ranchi;

(b) the actual production of Heavy Machine Building Plant;

(c) whether it is going as per schedule and

(d) if the answer to part (c) be in the negative:

(i) the total amount of orders received from customers;

(ii) the steps taken to gear up production to catch up the schedule?

The Minister of Industrial Development and Company Affairs (Shri F. A. Ahmed): (a) The production target of the Heavy Machine Building Plant for 1966-67 was 19,500 tonnes.

(b) Actual production in 1966-67 was 14,320 tonnes.

(c) The production was about 73 per cent of the target.

(d) (i) Total orders in hand for 1967-68 and 1968-69 add up to about 56,000 tonnes, sufficient to utilise the capacity available in these years.

(ii) In the past there was some delay in receipts of castings, components and drawings from U.S.S.R. Steps have now been taken to ensure their receipts in time.

Structural Fabrication Workshop of H. E. C., Ranchi

2070. Shri Kartik Oraon: Will the Minister of Industrial Development and Company Affairs be pleased to state:

(a) the annual capacity of production of Structural Fabrication Workshop of Heavy Engineering Corporation Ltd., Ranchi;

(b) the monthly rate of production;

(c) the time by which it is proposed to gear up the production to full capacity;

(d) whether it is going ahead as per schedule; and

(e) if the answer to part (d) above be in the negative, the steps taken to catch up the schedule?

The Minister of Industrial Development and Company Affairs (Shri F. A. Ahmed): (a) The ultimate annual capacity is 25,000 tonnes expected to be reached in 1970-71.

(b) to (e). Initial production commenced in October, 1966 and while civil construction works are nearing completion, erection of equipment has been phased according to requirements. According to present planning, the build-up capacity will develop from 17,000 tonnes in 1967-68 to 25,000 tonnes in 1970-71. The plant is expected to keep to schedule.